वर्ष :: 34 अंक : 43
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 28 जुलाई, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

गरीबों के निवाले पर डाका !

धांधली के दलदल में बोकारो का आपूर्ति विभाग, अनाज का कोई लेखा-जोखा नहीं

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : सरकारी विभाग और धांधली का पुराना नाता रहा है। बोकारो का आपूर्ति विभाग इन दिनों लगातार अपनी हेराफेरी को लेकर सुर्खियों में है। हो भी क्यों न, यहां के विभागीय अधिकारी ऐसा गुल ही खिला रहे हैं। कभी गोदाम से निकलकर अनाज के दुकान तक न पहुंचने, कभी स्टॉक में भारी गड़बड़ी, तो कभी अनाज की देखरेख की कमी। हाल के दिनों में ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं। गरीबों के निवाले पर घोटालेबाज अधिकारियों की गिद्ध-दृष्टि है और छोटे से लेकर बड़े स्तर तक के अफसर अनाज पर डाका डाल रहे हैं। यह हम नहीं कह रहे, खुद राज्य सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने मंत्री बन्ना गुप्ता का कहना है। उन्होंने पिछले दिनों यहां जब हवाई अड्डा के समीप स्थित जेएसएफसी के गोदाम में औचक निरीक्षण किया तो उनके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। जिस स्तर पर यहां अनाज के लेखा-जोखा को लेकर अधिकारियों की गड़बड़ी सामने आई, उसे लेकर वह खुद विभागीय कार्रवाई में जुट गए हैं।

'अंधेर नगरी वाली स्थिति'

मंत्री ने अनाज के रखरखाव से लेकर वितरण तक में भारी अनियमितता पाई। जब श्री गुप्ता ने छापेमारी की उस समय गोदाम एजीएम जरूर मौजूद थे, लेकिन कोई भी रजिस्टर मौके पर नहीं मिला। मिला भी तो एजीएम के घर पर, जिसे मंत्री ने पुलिस को भेजकर एजीएम के घर मंगवाया। तीन महीने से स्टॉक का रजिस्टर मेंटेन नहीं किया गया था। कितना आया, कितना पीडीएस में गया, इसका कोई लेखा-जोखा नहीं मिला। मंत्री ने कहा कि यह अंधेर नगरी वाली स्थिति है। एजीएम कुछ भी बताने में सक्षम नहीं हैं। स्टाक रजिस्टर अपने घर में वह रखे थे। भौतिक सत्यापन में 150.68 क्विंटल गेहूं पाया गया। यहां गेहूं 154.68 क्विंटल ज्यादा मिला। इसका मतलब है कि इन लोगों ने इसको स्टॉक रजिस्टर में दिखा दिया होगा **(शेष पेज- 7 पर)**

बोले मंत्री- अधिकारी-कर्मचारी की मिलीभगत, कार्रवाई तय

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता का कहना है कि गरीबों के अनाज पर सिर्फ गरीबों का हक है। इस पर डाका डालने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। बोकारो के गोदाम में जिस तरह जांच में गड़बड़ी पाई गई उसमें संबंधित अधिकारी व कर्मी की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता है। इस मामले में अधिकारी, कर्मचारी, पीडीएस दुकानदार ही क्यों न हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एजीएम पर लटक रही निलंबन की तलवार, डीएसओ पर भी निशाना

गोदाम के एजीएम के तौर पर 22 अप्रैल को प्रभार लेने वाले राजीव रंजन पर मंत्री की कार्रवाई के बाद निलंबन की तलवार लटक रही है। अपने प्रभार के बाद से 22 जुलाई तक कितना अनाज आया और कितना अनाज गोदाम से निकला, इसका उन्होंने कोई लेखा-जोखा दर्ज नहीं किया था। फलस्वरूप, इसकी वजह से मंत्री को साढ़े चार घंटे तक स्टॉक मिलान के लिए बोकारो स्थित गोदाम में रहना पड़ा। मंत्री श्री गुप्ता ने बताया कि उन्होंने डीसी को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया है। एजीएम को सस्पेंड करने की अनुशंसा करते हुए विभागीय कार्रवाई करने को कहा है। वित्तीय अनियमितता अगर पाई जाती है तो प्राथमिकी दर्ज की जाय। डीएसओ की भूमिका भी बहुत संदिग्ध है। उन्होंने अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन नहीं किया है। डीएसओ को सप्ताह में दिन भौतिक सत्यापन करना है। जांच करनी है, लेकिन कुछ नहीं किया जा रहा। यदि एजीएम दोषी है, तो डीएसओ भी बराबर के जिम्मेवार हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह विभागीय स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

चुनाव में 'गेमचेंजर' बनेंगे नीतीश !

विशेष संवाददाता

रांची/पटना : आसन्न झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी जोरशोर से चल रही है। भाजपा और इंडी गठबंधन की अपनी-अपनी तैयारियों के बीच जदयू ने भी 11 सीटों पर लड़ने का ऐलान कर दिया है। जेडीयू चुनाव में गेमचेंजर की भूमिका निभा सकती है। झारखंड में जनता दल (यूनाइटेड) एनडीए फोल्डर के तहत विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी के क्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने पटना में जेडीयू की झारखंड इकाई के 50 प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की और उन्हें चुनाव की तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया।

बैठक के बाद झारखंड जदयू के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने मीडिया से कहा कि हमने फिलहाल राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को उन 11 सीटों और संभावित उम्मीदवारों की सूची सौंपी है, जहां हमारी पार्टी के लिए बेहतर संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हम कुछ और सीटों पर अपनी स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में कुछ अन्य सीटों पर उम्मीदवार उतारने पर विचार हो सकता है। जेडीयू एनडीए फोल्डर की पार्टी है और हम इसी गठबंधन के साथ चुनाव लडेंगे। किन सीटों पर उम्मीदवार उतारे जाएंगे, यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य प्रभारी मिलकर तय करेंगे। सीटों के बंटवारे पर भारतीय जनता पार्टी से बात चल रही है। हमें जो सीटें मिलेंगी, उसके अलावा बाकी सीटों पर हम गठबंधन के उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। नीतीश कुमार के साथ हुई बैठक में पार्टी के नेताओं के साथ-साथ कुर्मी जाति संगठन के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने नीतीश कुमार से कहा कि झारखंड में कुर्मी जाति को आदिवासी का दर्जा देने की मांग लंबे अरसे से चल रही है और आपसे इस दिशा में पहल करने की अपेक्षा है। नीतीश कुमार ने आश्वस्त किया कि पार्टी के सांसद यह **(शेष पेज- 7 पर)**

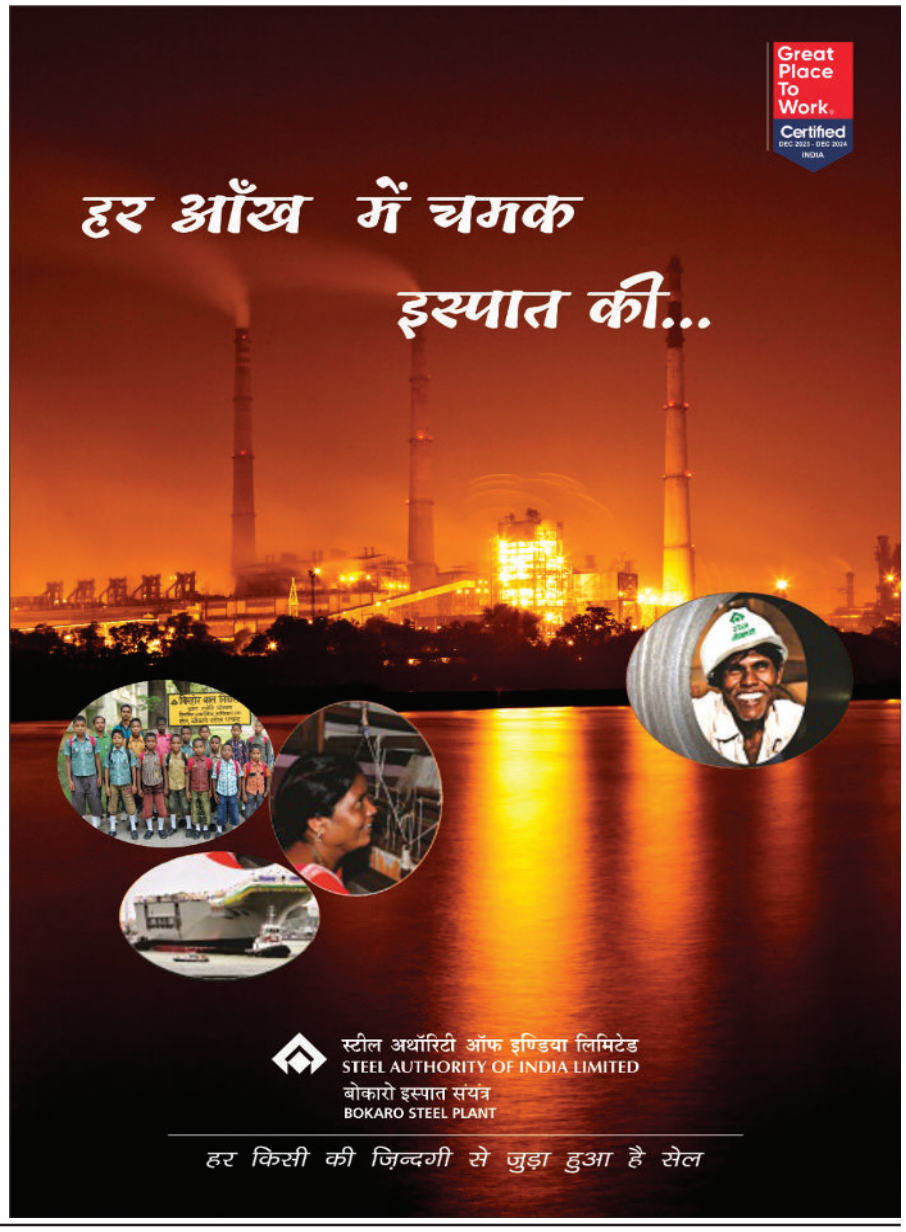

- संपादकीय -

ना 'पाक' मंसूबे को कुचलना जरूरी

गैर-इस्लामी समुदाय के खिलाफ नफरत की बुनियाद पर खड़ा हुआ देश पाकिस्तान आजादी के बाद से लेकर आज तक भारत को गहरे जख्म देता रहा है। पाकिस्तान की भारत विरोधी गतिविधियां लगातार जारी हैं। पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे उन सभी आतंकी संगठनों को प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है, जो कश्मीर के साथ-साथ भारत के विरुद्ध हिंसात्मक घटनाओं में शामिल होते हैं। आजादी के बाद से ही जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान की साज़िशों और सीमा पर उसकी हरकतों ने भारत के सुरक्षा तंत्र को उलझा कर रख दिया है। हाल के दिनों में पाकिस्तान पोषित आतंकवादी जम्मू को अपना नया गढ़ बना लिया है और कश्मीर में लगभग शून्य हो चुका आतंकवाद अब जम्मू में सिर उठा चुका है। इस क्षेत्र में आतंकवादी भारतीय सेना को लगातार निशाना बना रहे हैं। पिछले कुछ दिनों के भीतर इन आतंकी घटनाओं में हमारे दर्जनों सैन्य अधिकारी व जवान शहीद हो चुके हैं। खासकर, मोदी 3.0 की सरकार के गठन के साथ ही जम्मू में आतंकी घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है। जम्मू के डोडा जिले में हुए हालिया हमले में राष्ट्रीय रायफल्स के कैप्टन समेत चार जवान शहीद हो गए। 2021 से अब तक सेना व पुलिस के 50 से अधिक जवान इन आतंकी हमलों में जान गंवा चुके हैं। इसी शनिवार को भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में पाकिस्तानी फौज की नापाक हरकत नाकाम कर दी। जब कामकेरी सेक्टर से पाकिस्तानी फौज की बॉर्डर एक्शन टीम (बैट) अपनी निगरानी में तीन आतंकियों की घुसपैठ करा रही थी, तभी उनका सामना भारतीय जवानों के साथ हो गया। आमने-सामने की गोलीबारी और ग्रेनेड हमले में एक आतंकी मारा गया, जबकि दो आतंकी पाक-अधिकृत कश्मीर में वापस भाग गए। इस मुठभेड़ में कैप्टन समेत पांच जवान घायल हुए, जिनमें एक जवान ने बाद में दम तोड़ दिया। जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद के सफाये के लिए पिछले दस दिनों से 'ऑपरेशन ऑल आउट' चलाकर भारतीय सेना आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की रीढ़ तोड़ने में लगी है। उधर, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थक सड़कों पर उतर चुके हैं। पाक अधिकृत कश्मीर में पहले से ही पाकिस्तान के हुक्मरानों के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है। आर्थिक तंगी के भयानक हालात से गुजर रहे पाकिस्तान में गृहयुद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई है। फिर भी पाकिस्तानी सेना भारत के खिलाफ नापाक हरकत करने से बाज नहीं आ रही। ये लातों के भूत हैं, जो बातों से नहीं मानेंगे। क्योंकि, अपनी नापाक नीति के चलते पाकिस्तान ने यही सुनिश्चित कर रखा है कि भारत का सुरक्षा तंत्र आतंकवाद की समस्या से निपटने में ही उलझा रहे। ऐसे में भारत को बिना देर किए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने और उसके नापाक मंसूबे को कुचलने की जरूरत है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

चुनाव में बीजेपी के प्रदर्शन के कारण - मार्केटिंग विज्ञान से

- मोद प्रकाश -
ब्रिसबेन, ऑस्ट्रेलिया

हाल ही में संपन्न हुए भारतीय राष्ट्रीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को एक महत्वपूर्ण झटका लगा है, जिससे कई राजनीतिक बहसें और विश्लेषण शुरू हो गए हैं। जबकि, विभिन्न सिद्धांत इस अप्रत्याशित परिणाम की व्याख्या करने का प्रयास करते हैं, यह लेख बीजेपी की मार्केटिंग और ब्रांडिंग में की गई बुनियादी गलतियों पर केंद्रित है। मार्केटिंग सिद्धांतों से तुलना करते हुए, यह स्पष्ट हो जाता है कि बीजेपी की गलतियां उन गलतियों के समान हैं जो किसी भी बाजारिया से बचने की उम्मीद की जाती है, यहां तक कि सबसे बुनियादी प्रबंधन पाठ्यक्रमों में भी।

राजनीतिक बाजार का सादृश्य

राजनीतिक बाजार में, पार्टियां कंपनियों की तरह काम करती हैं, उनकी विचारधारा उत्पादों के रूप में और नागरिक ग्राहकों के रूप में। मतदाता राजनीतिक दलों को उनकी विचारधाराओं के आधार पर चुनते हैं और उन्हें शासन करने का अधिकार देते हैं। एक राजनीतिक ब्रांड की व्यक्तिगतता-उसके मूल्यों और विश्वासों का दृश्य संकेतों, संदेशों और कार्यों के माध्यम से संचार- भावनात्मक संबंध और ब्रांड- वफादारी के लिए महत्वपूर्ण है।

स्थापित राष्ट्रवादी ब्रांड

ब्रांड आरएसएस : ब्रांड आरएसएस को ईमानदारी, निस्वार्थता, राष्ट्रवाद और एक हिंदू संगठन के रूप में जाना जाता है। इसे हिंदू सभ्यता का रक्षक माना जाता है, और यह प्रतिष्ठा समर्पित प्रचारकों द्वारा बनाई गई है जो संगठन के लिए विनम्रता से जीवन जीते हैं। इस ब्रांड का गहरा प्रभाव इसके वंशज ब्रांडों, जैसे ब्रांड बीजेपी, ब्रांड विहिप, ब्रांड शिशु मंदिर इत्यादि पर है।

ब्रांड बीजेपी : ब्रांड बीजेपी वैचारिक सिद्धांतों, ईमानदारी, निस्वार्थता, राष्ट्रवाद और एक दक्षिणपंथी रुख का प्रतीक है। आलोचकों के बीच, इसे मुस्लिम विरोधी के रूप में देखा जाता है, लेकिन कभी भी भ्रष्ट या स्वार्थी शब्द इनके साथ नही जुड़ा है । ये गुण ब्रांड आरएसएस से विरासत में मिले हैं और बीजेपी के इतिहास के माध्यम से प्रबलित हुए हैं, जैसे कि रथ यात्रा और वाजपेयी का सैद्धांतिक राजनीति।

ब्रांड मोदी : ब्रांड मोदी ब्रांड आरएसएस का पौत्र ब्रांड है, जो मेहनती, निस्वार्थता और हिंदू राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व करता है। मोदी का सत्ता में आना उनके आरएसएस और बीजेपी के साथ जुड़ाव के कारण था, और उनकी छवि इन ब्रांडों द्वारा प्रचारित सभ्यता पुनर्जागरण के साथ मेल खाती है।

चुनाव-प्रदर्शन का विश्लेषण

मजबूत ब्रांड आधार के बावजूद, बीजेपी का हालिया चुनाव प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा, जिससे आंतरिक और बाहरी राजनीतिक उथल-पुथल पैदा हुई। स्थिति का विश्लेषण करने से महत्वपूर्ण ब्रांडिंग और मार्केटिंग गलतियों का पता चलता है।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग गलतियां

1. **आरएसएस से प्रतिरोधी संवाद** : जे.पी. नड्डा का बयान कि बीजेपी को चुनाव जीतने के लिए आरएसएस की आवश्यकता नहीं है, एक विसंवादी संघर्ष पैदा किया। यह कदम स्विट्जरलैंड के यूरोपीय पहचान को अस्वीकार करने जैसा या डेटॉल के एंटीसेप्टिक छवि को छोड़ने के समान था। ऐसे बयानों से मतदाताओं में भ्रम पैदा होता है, बीजेपी और आरएसएस के बीच सहजीवी संबंध को कमजोर करता है और मतदाताओं को एक ऊहापोह की स्थिति की ओर ले जाता है।

2. **ब्रांड व्यक्तित्व में विकृति** : बीजेपी ने कुछ ऐसी गतातियां की जो उनके अपने ब्रांड के व्यक्तित्व के खिलाफ थी और जिन्होंने उनके कोर वोटर को एक दम सकते में डाल दिया। उन्हें खुद ये समझ नही आया की पार्टी में क्या चल रहा है और उनके पास अपने आस पास लोगों के सवालों के जवाब भी नही था।

महाराष्ट्र में राजनीतिक उलटफेर : शिंदे के मुख्यमंत्री बनने और अजीत पवार के उपमुख्यमंत्री बनने की घटनाएं बीजेपी की सैद्धांतिक छवि के विपरीत थीं, और जो वाजपेयी के सैद्धांतिक इस्तीफे के एक दम विपरीत थी। बीजेपी के समर्थक कभी इस बात को पूरी तरह नहीं मान पाए।

आर.के. सिंह का समावेश : रभगवा आतंकवादर के उनके बयान के बावजूद, बीजेपी में उनका समावेश और बाद में मंत्री पद ने आरएसएस कैडरों और बीजेपी कार्यकर्ताओं को अलग कर दिया।

यूपी में राजनीतिक अवसरवाद : राजभर जैसे नेताओं और इनके जैसे अन्य का समावेश बीजेपी की वैचारिक स्थिरता को और विकृत कर गया।

बाहरी लोगों का समावेश: गैर-बीजेपी सदस्यों को टिकट आवंटित करने से पार्टी वफादारी और ब्रांड स्थिरता कमजोर हो गई।

3. **आरएसएस का स्थिति बदलना**
आरएसएस के हिंदुत्व के रुख को नरम करने के प्रयासों ने इसके प्रमुख समर्थकों को भ्रमित कर दिया। आरएसएस प्रमुख के मुसलमानों के साथ पुल बनाने और हिंदुओं और मुसलमानों के बीच समानताओं पर जोर देने वाले बयानों ने आरएसएस और बीजेपी कैडरों के बीच भ्रम पैदा कर दिया।

4. **ब्रांड मोदी पर अत्यधिक जोर**
बीजेपी की रणनीति ब्रांड मोदी को ब्रांड बीजेपी और ब्रांड आरएसएस से ऊपर उठाने की थी, जो आरएसएस और बीजेपी की निस्वार्थ कार्यकर्ता छवि के विपरीत थी। रमोदी की गारंटीर और रमोदी है तो मुमकिन हैर जैसे नारे निस्वार्थता और वैचारिक कार्य के मूल सिद्धांतों के विपरीत थे, जिससे पारंपरिक समर्थकों में असंतोष पैदा हुआ।

5. **गुमराह करने वाला नारा**
नारा 'अबकी बार 400 पार' आरएसएस, बीजेपी और ब्रांड मोदी के निस्वार्थ कार्य के सिद्धांत के साथ असंगत था। इसने सत्ता-लोलुप छवि को प्रस्तुत किया, जिससे मतदाताओं में भ्रम पैदा हुआ और स्थापित ब्रांड व्यक्तित्व के साथ संघर्ष हुआ।

6. **मुख्य हिंदुत्व एजेंडा से प्रतिबद्धता बदलना** : पिछले 10 वर्षों के दौरान कई बार, बीजेपी को अपने मुख्य हिंदुत्व एजेंडा से दूर जाते और मुख्य समर्थकों का समर्थन नहीं करते देखा गया है। यह नूपुर शर्मा के इस्तीफे या बीजेपी राजनीतिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ बंगाल हिंसा के समय स्पष्ट था।

निष्कर्ष : बीजेपी के खराब चुनावी प्रदर्शन का श्रेय ब्रांडिंग की बुनियादी गलतियों को दिया जा सकता है, विशेष रूप से विसंवादी संघर्षों और व्यक्तित्व विकृतियों को। राजनीतिक सफलता के लिए ब्रांड व्यक्तित्व और स्थिरता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इस चुनाव से मिले सबक राजनीतिक अभियानों में सुसंगत ब्रांडिंग रणनीतियों के महत्व को रेखांकित करते हैं, जो मतदाताओं को स्पष्ट और सुसंगत संदेश सुनिश्चित करते हैं। बीजेपी को मतदाता विश्वास और वफादारी वापस पाने के लिए बुनियादी मार्केटिंग सिद्धांतों पर पुनर्विचार करना चाहिए और अपनी ब्रांडिंग रणनीतियों को पुनः संरेखित करना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग - नर्क की नई यातनाएं

एक बार एक बुजुर्ग पत्रकार की मौत हो गई। उसके कर्म अच्छे थे, इसलिए यमराज उसे लेने स्वयं आए। बिना हील-हुज्जत के पत्रकार की आत्मा उनके संग चल दी। असली पत्रकार ज्यादा देर मौन रह ही नहीं सकता। उनका दिमाग कुलबुलाने लगता है। फिर उससे कैसे रहा जाता। यमराज से पूछ बैठा, 'आप मुझे कहां ले जाएंगे, नर्क या स्वर्ग।'

यमराज बोले, 'वत्स, पत्रकार होते हुए भी तुमने कभी झूठ नहीं बोला। न्याय और असली खबरों पर हमेशा डटे रहे, इसलिए सीधे बैकुंठधाम। हां, हो सकता है, प्रभु तुम्हें नारद जी का असिस्टेंट बना दें।'

देवताओं के पत्रकार का असिस्टेंट...। यह सुन, वह खुशी से झूम उठा। कहावत है, पत्रकार का दिमाग कंप्यूटर से भी तेज चलता है। उसने सोचा, क्यों न स्वर्ग और नर्क की रिपोर्ट लेता चलूं, शायद काम आ जाए।

उसने यमराज जी से नम्र निवेदन किया, 'प्रभु, स्वर्ग-नर्क के विषय में बहुत सुना है। यदि रास्ते में पड़ता हो तो उसके दर्शन करा दीजिए। आपका बड़ा उपकार होगा।'

प्रसन्न भाव से यमराज यह कहते हुए माने कि दोनों में से किसी एक को ही दिखाया जा सकता है। 'तुम्हारी इच्छा, स्वर्ग देखो या नर्क।'

पत्रकार ने सोचा, स्वर्ग में दुख कहां...? सभी सुखी होंगे। वहां की रिपोर्टिंग अच्छी नहीं बन पाएगी। नर्क की रिपोर्टिंग में बहुत स्कोप है। वहां की यातनाएं भीषण पीड़ादायक होतीं हैं। बहुत सोच-समझकर उसने नर्क दिखाने की इच्छा जाहिर की।

वहां उसने देखा, स्त्री-पुरुष, सभी की आत्माएं, एक-दूसरे से सटी, खड़ी, बैठी या लेटी हुईं, बिन बोले, अपने दाएं या बाएं हाथ की हथेली को ऐसे देख रहीं थीं, मानो कोई कीमती चीज पकड़ रखी हो। यह देख उसे बड़ा अजीब लगा।

आदतन बोल पड़ा, 'मैंने सुना था, गंदे कर्म करने से, आत्माओं को खौलते तेल में तला जाता है, उल्टा लटकाकर पीटा जाता है। विभिन्न प्रकार की भयानक से भयानक यातनाएं दी जाती हैं। पर, यहां तो ऐसा कुछ नहीं दिख रहा।'

पत्रकार की बातें सुन, यमराज मुस्काए, 'वत्स, ये सब वे आत्माएं हैं, जो धरती पर रात-दिन मोबाइल में खोई रहतीं थीं। मोबाइल के आगे इन्हें न परिवार दिखता था न रिश्तेदार, न पास-पड़ोस न समाज। सबके साथ रहकर भी ये अलग दुनिया में खोए रहते थे। आमने-सामने एक-दूसरे से बात करने की इनकी आदत थीं ही नहीं। अब तुम बताओ, इनके लिए क्या यह कम बड़ी सजा है कि उन्हें वह हथेली निहारना पड़ रहा है, जिसमें मोबाइल है ही नहीं।'

धरतीवासियों का मोबाइल प्रेम याद कर और नर्क की नई यातनाएं देख वह बहुत दुखी हुआ। फिर जैसे ही उसे याद आया नारद का असिस्टेंट, यह सोचते ही, अधरों पर एक चौड़ी-सी मुस्कान फैल गई। वे लोग नर्क से निकल बैकुंठ की ओर चल दिए।

- डॉ.सविता मिश्रा मागधी -
बेंगलुरू

सड़क हादसों पर लगेगी ब्रेक

उम्मीद... 9 ब्लैक स्पॉट्स पर बनेंगे स्पीड ब्रेकर, डीसी ने दिया सख्त निर्देश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में दुर्घटनाएं हर साल सैकड़ों लोगों की असमय मौत का सबसे बड़ा कारण है। रफ्तार की सनक, बेतरतीब यातायात व्यवस्था और सड़क पर सुरक्षात्मक उपायों की कमी जैसे कई कारण इसके लिए जिम्मेदार हैं। इसे लेकर जिले की उपायुक्त विजया जाधव ने संजीदगी दिखाई है और अविलंब हर एहतियातन उपाय सुनिश्चित करने का उन्होंने सख्त निर्देश दिया है। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती जाधव ने जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में इसे लेकर शीर्ष अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया और आवश्यक निर्णय लिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश, अपर नगर आयुक्त अनंत कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, बोकारो विधायक, चंदनकियारी विधायक व बेरमो विधायक के प्रतिनिधि समेत संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा की। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में ज्यादातर सड़क दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राज्य मार्ग 23 एवं 32 पर हो रही हैं। वर्ष 21-22-23 के आंकड़ों के आधार पर जिले में नये नौ ब्लैक स्पॉट (43 मोड़, बारी कोऑपरेटिव मोड़, चरगी घाटी, दांतू, आईटीआई मोड़ से सीआरपीएफ कैंप मोड़, जोधाडीह मोड़ से सोलागीडीह तालाब तक, खुटरी, उत्तासारा एवं कांड्रा) चिह्नित किए गए हैं।

उपायुक्त ने इन ब्लैक स्पॉट की संयुक्त जांच करते हुए संबंधित एजेंसी को स्पीड ब्रेकर बनाने, साइनेज एवं ब्लिंकर लगाने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने पिछले तीन माह में परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्रवाई, ई चालान के संबंध में समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने टोटो चालकों के लाइसेंस की जांच अभियान चलाकर करने का निर्देश दिया।

पार्किंग स्थलों को चिन्हित करने का आदेश

उपायुक्त ने चास नगर निगम क्षेत्र में बेतरतीब तरीके से लगाए जा रहे वाहनों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई बार इसके कारण भी दुर्घटनाएं होती हैं। इसलिए संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी/ नगर निगम एवं परिवहन विभाग संयुक्त रूप से पार्किंग स्थल चिन्हित करें।

चलेगा नियमित वाहन जांच अभियान

उपायुक्त श्रीमती जाधव ने परिवहन विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का अनुपालन नहीं करने वाले दो पहिया, तीन पहिया एवं बड़े वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिला परिवहन पदाधिकारी को नियमित रूप से जांच अभियान चलाने व नियम के तहत कार्रवाई करने को कहा। उपायुक्त ने जिले के स्मार्ट क्लास वाले सरकारी विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन रोड सेफ्टी डे घोषित कर सड़क सुरक्षा से संबंधित आडियो- विजुअल क्लिप के प्रसार एवं बच्चों को प्रतियोगिता के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने को कहा। अगली बैठक में इसका कैलेंडर प्रस्तुत करने को कहा।

महत्वपूर्ण जगहों पर लगेंगी हाई मास्ट लाइटें

बैठक में उपायुक्त ने चास नगर निगम एवं बीएसएल प्रबंधन को शहरी क्षेत्रों के महत्वपूर्ण स्थानों पर हाई मास्ट लाइट टावर का अधिष्ठापन करने को लेकर कार्रवाई का निर्देश दिया। बैठक में बीएसएल प्रबंधन की ओर से कोई उपस्थित नहीं रहने को लेकर उपायुक्त ने नाराजगी जताई और इसे लेकर डीटीओ को स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया।

प्रेरणा तीन दशक बाद अपने विद्यालय पहुंच 1993 बैच के छात्र अनंत ने साझा कीं यादें, विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

लगन, परिश्रम, नैतिक मूल्य और आत्मविश्वास बनाए रखना ही सफलता का मूल मंत्र : एएएमसी

संवाददाता

बोकारो : 'कक्षा 10 के बाद विद्यार्थियों के लिए वह समय होता है, जब वे अपने सपने बुनते हैं। उन सपनों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि वे बगैर किसी के दबाव में आए अपनी क्षमता और रुचि को ध्यान में रखकर ही अपना करियर चुनें। दृढ़ निर्णय के साथ अपना लक्ष्य बनाएं और उसे पाने के लिए लगन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ निरंतरता बनाए रखें। ये चीजें ही उनके लिए भाग्य-निमार्ता बनेंगी।' उक्त बातें दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में 1993 बैच के मेधावी छात्र रहे झारखंड प्रशासनिक सेवा अधिकारी अनंत कुमार ने कहीं। चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त (एएमसी) एवं बेरमो के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी अनंत ने तीन दशक के बाद अपने पुराने विद्यालय पहुंच अपने स्वर्णिम क्षणों एवं स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने 11वीं एवं 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। अतिथि व्याख्यानशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य मानवीय चेतना का विकास करना है। एक सफल और अच्छा इंसान बनने के लिए विद्यार्थी सदैव अपना नैतिक मूल्य और अपनी विनम्रता बरकरार रखें। साथ ही, अपनी विचारधारा को सकारात्मक रखते हुए राष्ट्र-निर्माण में योगदान दें।

'डीपीएस बोकारो बना एक ब्रांड'

तीन दशक पहले विद्यालय में अपने छात्र-जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आज वह जो भी कुछ भी हैं, जिस मुकाम पर हैं, उसमें डीपीएस बोकारो की केंद्रीय भूमिका है। यहां की कुशल शैक्षणिक-व्यवस्था और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के समेकित प्रयत्नों का ही परिणाम है कि आज डीपीएस बोकारो शिक्षा के क्षेत्र में एक ब्रांड बन चुका है। आज के विद्यार्थी यहां के उन्नत संसाधनों का लाभ लें। उन्होंने छात्र-छात्राओं से व्यक्तित्व-विकास के लिए खेलकूद, कला-संगीत सहित सभी सह-शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने, स्वास्थ्य को प्रथम प्राथमिकता देने, ज्ञान के स्तर में बढ़ोतरी हेतु नियमित समाचार-पत्र पढ़ने तथा सोशल मीडिया का संतुलित इस्तेमाल करने की भी अपील की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने इस प्रकार की अतिथि व्याख्यानशाला को विद्यार्थियों के हित में आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों से जरिए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया जाता रहा है। उन्होंने अपर नगर आयुक्त श्री कुमार के व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री कुमार ने भी व्याख्यान के अवसर को लेकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

लिंग-परीक्षण गिरोह पर शिकंजा

संवाददाता

बोकारो : भ्रूण-परीक्षण और कोख में ही बेटियों की हत्या करने के खिलाफ एक तरफ जहां सरकार लगातार सख्ती बरत रही है, वहीं दूसरी ओर चंद पैसों के लालच में कुछ लोग मानवता के भक्षक बने हैं। बोकारो के एक निजी अस्पताल और जांच केन्द्र में लिंग परीक्षण करने की साजिश और इसके पीछे एक गिरोह होने का मामला सामने आया है। डीसी विजया जाधव के निर्देश पर चास एसडीओ ओमप्रकाश गुप्ता और सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार की अगुवाई में प्रशासनिक टीम पीसीपीएनडीटी एक्ट की अवहेलना करनेवाले अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। टीम ने चास के चेकपोस्ट स्थित सिटी केयर हॉस्पिटल एंड हार्ट सेंटर में जब छापा मारा, तो भारी गड़बड़ी सामने आई। आश्चर्य की बात तो यह रही कि एक सरकारी डॉक्टर महेन्द्र प्रसाद वहां अल्ट्रासाउंड करते पाए गए। एसडीओ ने वहां की अल्ट्रासाउंड मशीन जब्त कराते हुए सेंटर को सील कर दिया। वहां से भारी मात्रा में एक्सपायरी डेट की दवाइयां भी मिलीं।

एसडीएम श्री गुप्ता ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या यहां भारी गड़बड़ी है और एक गिरोह काम कर रहा है। तथ्यों की जांच कर कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। इसके बाद टीम ने जोधाडीह मोड़, चास स्थित कुमार डायग्नोस्टिक का भी औचक निरीक्षण किया। वहां भी काफी अनियमितताएं पाई गईं। एसडीओ ने अल्ट्रासाउंड रूम को सील करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पीसीपीएनडीटी के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार ने बताया कि आगे भी टीम अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों का निरीक्षण करेगी। जहां नियमों का अनुपालन नहीं पाया जाएगा, समुचित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से सेहत के नाम पर गोरखधंधा करने वाले जांच केंद्रों के संचालकों में हड़कंप है।

10 लाख का बीमा... ठेका श्रमिकों के हित में बीएसएल का बड़ा कदम

सरोकार... सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी को ले एकरारनामा

श्रमिक-कल्याण की दिशा में मील का पत्थर : डीआई

बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने कहा कि ठेका श्रमिकों के कल्याण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। राजन प्रसाद, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) ने सभी के प्रयासों की सराहना की और जल्द से जल्द सभी ठेका श्रमिकों को इस स्कीम में कवर करने की जरूरत पर बल दिया। हरि मोहन झा ने ठेका श्रमिकों के कल्याण से जुड़ी बीएसएल की नीति और अन्य पहलों के बारे में विस्तार से बताया। ठेकेदारों की ओर से जगदीश चौधरी ने इस पॉलिसी के शीघ्र क्रियान्वयन और इसकी पारदर्शिता और सफलता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर वीएम बक्शी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), प्रांजलि, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), सोनी सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा पंकज कुमार, वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित थे।

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में विभिन्न ठेकेदारों के अधीन काम करने वाले ठेका श्रमिकों के लिए एक अहम कदम उठाते हुए सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी के समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। बोकारो स्टील प्रबंधन और बोकारो स्टील प्लांट के ठेकेदारों के पंजीकृत ट्रस्ट बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट के बीच किये गए समझौते के आधार पर ट्रस्ट प्रत्येक अनुबंध श्रमिकों के लिए दस (10) लाख रुपये की वार्षिक कवरेज के साथ एक सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी का हकदार होगा।

समझौते पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) चितरंजन महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद, अधिशासी निदेशक (माइंस) जयदीप दासगुप्ता, बोकारो जनरल हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. बी.बी. करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हरि मोहन झा, निदेशक प्रभारी सचिवालय के मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) लक्ष्मी दास की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर बीएसएल की ओर से हरि मोहन झा और बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव अशोक कुमार तिवारी ने हस्ताक्षर किये। बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट के अन्य सदस्य जगदीश चौधरी, डी डी सिंह, अवधेश कुमार सिंह, सुनील कुमार महतो, एस एन सिंह, प्रमोद मिश्रा, जे पी सिंह, सोमनाथ पंडित, जी के सिंह उपस्थित थे।

बजट से देश की समग्र आर्थिक समृद्धि में मिलेगा योगदान : सेल अध्यक्ष

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने बजट 2024 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार ने अंतरिम बजट की ही तरह बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय को बरकरार रखा है, जो बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए भारी वित्तीय सहयोग को सुनिश्चित करता है। शहरी आवास, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास, सड़क आवागमन को बेहतर बनाने और विभिन्न कॉरिडोर के विकास पर फोकस करने से डोमेस्टिक स्टील की खपत को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सरकार की आवागमन को बेहतर बनाने और बुनियादी ढांचे को विकसित करने की प्रतिबद्धता न केवल इस्पात की खपत को बढ़ाएगी, बल्कि एक बहुआयामी प्रभाव भी पैदा करेगी, जिससे विभिन्न क्षेत्रों को लाभ होगा और इस तरह से देश की समग्र आर्थिक समृद्धि में योगदान मिलेगा।

स्वावलंबन बोकारो दीक्षा में 120 प्रशिक्षुओं के नए बैच के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

स्वरोजगार की राह पर बढ़ी युवाओं की नई टोली

संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के सीएसआर और डालमिया भारत फाउंडेशन के सौजन्य से बोकारो दीक्षा के नाम से संचालित संयुक्त उद्यम केंद्र में 120 प्रशिक्षुओं के नए बैच के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू किया गया है। बोकारो दीक्षा का उद्देश्य बोकारो के परिक्षेत्रीय गांवों के युवाओं का कौशल विकास कर उन्हें सम्मानजनक रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। बोकारो दीक्षा के पिछले बैच के विद्यार्थियों को शॉर्ट टर्म कोर्स पूरा करने के बाद प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अच्छे अवसर मिले हैं। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने अपनी प्लेसमेंट के बारे में विस्तृत रूप से बताया। उल्लेखनीय है कि बोकारो दीक्षा का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के पाठ्यक्रम अनुसार रखा गया है।

इस योजना के अंतर्गत आने वाले पाठ्यक्रम में सिलाई मशीन ऑपरेटर, सहायक इलेक्ट्रीशियन प्रशिक्षु, सोलर प्रशिक्षु, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट जैसे ट्रेड्स को शामिल किया गया है। बोकारो दीक्षा ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल और फिटर ट्रेड में भी प्रवेश के लिए नए छात्रों से आवेदन आमंत्रित किया है। इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित छात्रों के रोजगार सृजन में स्नाइडर फाउंडेशन और नाबार्ड जैसी संस्थाओं का अहम सहयोग है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बलराम पांडा, वरिष्ठ महाप्रबंधक एचआरडी (डीसीबीएल), फिलमोन बिलुंग, जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) - नाबार्ड तथा बीएसएल के सीएसआर विभाग से नीरज त्रिपाठी, वरीय प्रबंधक शामिल थे। यह सारा कार्यक्रम दीक्षा के प्राचार्य उमेश प्रसाद की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

हफ्ते की हलचल

शंकर रवानी हत्याकांड का खुलासा, पांच धराए

बोकारो : बीते 18 जुलाई को नगर के हरला थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-9 के बसंती मोड़ में स्क्रैप कारोबारी शंकर रवानी की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। घटना के नौ दिन के भीतर बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश के निर्देश पर गठित विशेष पुलिस दल ने इस चर्चित हत्याकांड का खुलासा करते हुए मामले में मुख्य आरोपी ठेकेदार राजेन्द्र दुबे उर्फ राजू दुबे और साजिशकर्ता ढाबा संचालक अशोक सम्राट सहित हत्या में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की स्वीकारोक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शंकर रवानी की हत्या बोकारो स्टील प्लांट के ऐश पौंड में ठेकेदारी के वर्चस्व को लेकर की गई। मृतक शंकर रवानी और गिरफ्तार राजू दुबे प्रतिद्वंदी थे। ठेकेदारी में अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए ही महुआर निवासी राजू ने चास निवासी अशोक सिंह उर्फ अशोक सम्राट के साथ मिलकर अपने विरोधी शंकर रवानी को शूटरों की मदद से मौत के घाट उतरवा दिया। अशोक सम्राट के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई गई। इसके बाद महुआर के परीक्षित सिंह उर्फ राजा, श्याम कुमार रवानी व अमित कुमार रवानी से शंकर रवानी की रेकी करवाई गई। इन तीनों को भी पुलिस ने दबोच लिया। अशोक सम्राट की निशानदेही पर पुलिस को अपराधकर्मियों के ठहरने के ठिकाने से हत्या में इस्तेमाल की गई अपाचे मोटरसाइकिल, शेव्रले बीट कार और स्कॉर्पियो सहित कई मोबाइल बरामद किए गए हैं। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी को ले छापेमारी जारी है।

जीजीईएसटीसी में पांच विद्यार्थी नियोजन के लिए चयनित

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस में रिजॉल्यूट आउटसोर्सिंग सर्विसेज कंपनी की एच.आर. टीम मधुमिता सिंह एवं अमन कुमार सिन्हा द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव संपन्न हुआ, जिसमें कालेज के 5 छात्र-छात्राओं को नौकरियों के लिये चयनित किया गया। एम.बी.ए. से जुनैद अख्तर और जिया कुमारी; बी.बी.ए. से माही कुमारी; बी.सी.ए. से प्रियंका कुमारी और जोया फातिमा को प्लेसमेंट प्राप्त हुआ। कालेज निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरूहार ने चयनित छात्रों को बधाई दी तथा कालेज प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. सलीम अहमद, एम.बी.ए. विभाग प्रमुख प्रो. विकास जैन तथा बी.बी.ए./बी.सी.ए. की समन्वयक प्रो. अपूर्वा सिन्हा के योगदान को सराहा। संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह व सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने छात्रों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पूर्व सैनिकों ने मनाई कारगिल विजय की रजत जयंती

बोकारो : कारगिल विजय के 25 वर्ष पूरे होने की खुशी में पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बोकारो इकाई ने रजत जयंती समारोह मनाया। बोकारो इस्पात नगर के सिटी पार्क स्थित शहीद उद्यान में एक श्रद्धांजलि सह- सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के सीजीएम कुंदन कुमार के अलावा बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक अश्विनी कुमार मित्तल, पंजाब नेशनल बैंक के मंडल अधिकारी पी के मिश्रा एवं संघचालक बोकारो महानगर, रंजीत वर्णवाल आदि उपस्थित रहे। सभी व्यक्तियों ने एक-एक कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। शहीदों को याद करते हुए उनके सम्मान में दो मिनट के लिए मौन रखा गया। अतिथियों ने सैनिकों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव बनाए रखने को कहा। इसके पूर्व कारगिल विजय-1999 के अवसर पर परिषद की बोकारो इकाई द्वारा शुरू किए गए पौधारोपण अभियान का समापन हुआ। चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत किए गए। इस क्रम में कारगिल युद्ध के कुछ जांबाजों ने अपने यादगार पलों को भी साझा किया।

कलाकार संघ की नई कार्यकारिणी समिति गठित

बोकारो : बोकारो कलाकार संघ की बैठक चीरा चास में हुई, जिसमें भावी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। बोकारो कलाकार संघ की नई कार्यकारिणी समिति में जगदीश बाबला को अध्यक्ष, रंजू सिंह को उपाध्यक्ष, मनबोध मिश्रा को सचिव, अशोक बाबला को उपसचिव, अरुण कुमार को कोषाध्यक्ष, मृत्युंजय भट्टाचार्यजी को उप-कोषाध्यक्ष, अरुण कुमार पाठक को मीडिया प्रभारी, शशिकांत शर्मा को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का दायित्व मिला है। इसके अलावे प्रतिनिधि मण्डल सदस्य के रूप में बिधान दत्ता, अशोक बाबला, शशिकांत शर्मा, कन्हैया वर्मा, मृत्युंजय भट्टाचार्यजी, राजेश कुमार, राजेश चौधरी, शंकर प्रसाद, संजीव सिंह, कस्तूरी सिन्हा और मनोज उपाध्याय उर्फ सुमन जी का मनोनयन किया गया।

चप्पल पर बवाल... परियोजना निदेशक के बयान पर शिक्षकों में भारी उबाल

संवाददाता

रांची/बोकारो : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक आदित्य रंजन द्वारा हवाई चप्पल पहनकर स्कूल में ड्यूटी आने वाले शिक्षकों के खिलाफ कथित अभद्र बयान को लेकर बोकारो जिले के शिक्षकों में काफी आक्रोश है। निदेशक के इस बयान कि अगर शिक्षक चप्पल पहनकर स्कूल में नजर आए, तो चप्पल से ही पिटाई करेंगे- के खिलाफ शनिवार को रूटीन परीक्षा लेने 1560 स्कूलों में 4300 शिक्षक चप्पल पहनकर ही स्कूल पहुंचे। शिक्षकों का कहना है कि जूते पहनकर आने का निर्देश वे शालीन तरीके से भी दे सकते थे। शिक्षकों ने एसपीडी को हटाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को आवेदन दिया है। शिक्षक संघ के सदस्यों ने कहा कि हम चप्पल पहनकर आए हैं, निदेशक अब क्या करेंगे। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में निदेशक को हटाने की मांग की है। संघ के महासचिव राममूर्ति ठाकुर ने कहा कि अगर शिक्षकों के मान-सम्मान के साथ खिलवाड़ हुआ तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर मांगें पूरी नहीं हुई, तो 8 अगस्त को आमरण अनशन किया जाएगा।

निदेशक के उक्त कथन के बाद जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने सामूहिक रूप से कई जगह विरोध किया। वैसे तो सभी स्कूलों के शिक्षक चप्पल पहनकर स्कूल आए, लेकिन पिंड्राजोरा शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र और एसबीएस स्कूल चास सहित कई जगहों पर शिक्षकों ने सामूहिक रूप से चप्पल पहनकर विरोध जताया। झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रधान सचिव गौतम सिंह ने कहा कि निदेशक द्वारा शिक्षकों पर दिया गया इस तरह के बयान की संघ घोर निंदा करता है और अनुरोध करता है कि अपना बयान वापस लें, नहीं तो संगठन रोड पर उतरकर आंदोलन करेगा। मौके पर दिलीप सिंह, दिनेश साहू, धनंजय सिंह, उदय नंद साह, दिनेश महतो, खालिद रसीद, भुवन दास, राकेश ओझा, नंदकिशोर रविदास, मुकेश कुमार, बद्री विशाल, मनिंदर चतुर्वेदी आदि शामिल थे।

झारखंड +2 शिक्षक संघ ने भी जताया विरोध

झारखंड +2 शिक्षक संघ, जिला इकाई बोकारो की बैठक जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। श्री सिंह ने राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने की निंदा की एवं कहा कि इसका नकारात्मक प्रभाव शिक्षकों पर पड़ेगा। बैठक में जिला सचिव डॉ अवनीश कुमार झा ने राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन के बयान पर आश्चर्य प्रकट किया एवं कहा कि शिक्षक प्रेम की भाषा जानते हैं और उनके लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल मानव जाति का अपमान है। जिला संरक्षक डॉ अजय कुमार पाठक ने कहा कि राज्य परियोजना निदेशक के वक्तव्य से शिक्षकों में निराशा का भाव उत्पन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि डरा-धमका कर कार्य करवाना अनुचित है। उपाध्यक्ष कौशल कुमार मुखर्जी, उपाध्यक्ष श्रुति ताह, संयुक्त सचिव राजेश कुमार विश्वकर्मा, प्रवक्ता - सह- मीडिया प्रभारी गौरव कुमार दुबे, प्रांतीय गुणात्मक शिक्षा समिति सदस्य धनंजय कुमार आदि ने भी निदेशक के उक्त बयान की कड़े शब्दों में निंदा की।

बरेली के कद्दावर नेता गंगवार बने झारखंड के नए राज्यपाल

संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : देश के नौ राज्यों के राज्यपाल बदल दिए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नौ राज्यों के राज्यपालों के नाम की सूची जारी की। इसके तहत उत्तर प्रदेश के बरेली से आठ बार के सांसद और केंद्रीय मंत्री रह चुके कद्दावर नेता संतोष गंगवार को झारखंड का राज्यपाल बनाया गया है। श्री गंगवार उत्तर प्रदेश भाजपा कार्यसमिति के सदस्य रहे। वह 1996 में उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई के महासचिव का पद भी संभाल चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उनको बरेली से उम्मीदवार नहीं बनाया था। तभी से कयास लगाया जा रहा था कि उनको कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है और ऐसा ही हुआ।

दूसरी ओर, झारखंड के निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है। कोयंबटूर से दो बार लोकसभा के लिए चुने गए राधाकृष्णन तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष हैं। उनके झारखंड के राज्यपाल रहते कई मौकों पर हेमंत सोरेन सरकार से टकराव देखने को मिला।

इधर, महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता हरिभाऊ किसनराव बागड़े को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया है, वही त्रिपुरा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता जिष्णु देव वर्मा को कांग्रेस शासित तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा के पूर्व सदस्य ओम माथुर को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है, वहीं कर्नाटक के पूर्व लोकसभा सांसद सीएच विजयशंकर को मेघालय का राज्यपाल बनाया गया है। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पंजाब का राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का प्रशासक नियुक्त किया गया है। गुलाबचंद कटारिया इससे पहले राजस्थान में मंत्री रह चुके हैं।

बता दें कि पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक की जिम्मेदारी संभाल रहे बनवारीलाल पुरोहित ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को असम का राज्यपाल बनाया गया है और उन्हें मणिपुर के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। आचार्य उत्तर प्रदेश में एमएलसी थे। वहीं, असम के पूर्व लोकसभा सांसद रमन डेका को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल बनाया गया है। इसके अलावा, रिटायर्ड आईएएस अधिकारी के कैलाशनाथन को पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है।

मानवता की सेवा में भारत विकास परिषद के कार्य अनुकरणीय : बाउरी

संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ में भारत विकास परिषद का पदस्थापना समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने इसका उद्घाटन किया। इसके उपरांत अध्यक्ष हरीश कुमार चौधरी ने श्री बाउरी को अंगवस्त्र ओढ़ाया एवं सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने बुके व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। प्रचार-प्रसार प्रमुख उमेश राजगढ़िया ने उनके कार्यों व योगदानों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में भारत विकास परिषद के कार्यों को मानव समाज के लिए कल्याणकारी एवं अनुकरणीय बताया। प्रत्येक वर्ष सामूहिक विवाह करवाना, जरूरतमंदों में छाता, रेनकोट वितरण आदि कार्यों की सराहना की। साथ ही, अपनी ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। मौके पर संस्थापक अध्यक्ष गोविंद मेवाड़, छावनी के नामित सदस्य कीर्ति गौरव, पूर्व अध्यक्ष अमित साहू, मनमोहन सिंह लंबा, आलोक रत्न चौधरी, रामप्रवेश गुप्ता, नवीन पाठक, श्याम शर्मा, देवाशीष साहा, आदर्श चौधरी, अजय अग्रवाल, चेंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप सिंह, विमल बुधिया, बाबू साहब, मनजीत साहनी, छावनी पूर्व उपाध्यक्ष अनमोल सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय सिंह, आलोक अग्रवाल, ऋषि सिन्हा, आयुष अग्रवाल, रोहित पंसारी, रवि अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। मंच संचालन धीरज सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने किया।

मिथिलावासियों को मोदी सरकार की सौगात - दरभंगा में एम्स-निर्माण को मंजूरी

संवाददाता

दरभंगा : मिथिलावासियों को केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अहम सौगात दी है। दरभंगा में सरकार ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की मंजूरी दे दी है। इसका निर्माण शोभन स्थित बायपास के पास स्थित प्रस्तावित जमीन पर ही होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बिहार सरकार को पत्र लिखकर जल्द से जल्द भूमि को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। राज्यसभा सदस्य संजय झा ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। जदयू सांसद संजय झा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी है कि केंद्र सरकार ने प्रस्तावित जमीन पर ही एम्स के निर्माण के लिए सहमति दे दी है। उन्होंने लिखा - 'हमें शेयर करते हुए खुशी है कि दरभंगा में एम्स निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा शोभन-एकमी बाईपास के निकट प्रस्तावित भूमि का सर्वेक्षण करने 18-19 मार्च 2024 को दरभंगा आई केंद्र सरकार की तकनीकी टीम ने अपनी रिपोर्ट में उक्त भूमि को एम्स निर्माण के लिए उपयुक्त बताया है। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रस्तावित भूमि पर एम्स के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा जी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति अपनी ओर से तथा संपूर्ण मिथिलावासियों की ओर से कोटि-कोटि आभार प्रकट करता हूं। हमें विश्वास है, दरभंगा में एम्स का निर्माण अब जल्द शुरू होगा।' प्रस्तावित भूमि पर एम्स निर्माण की मंजूरी मिल जाने के बाद राज्य सरकार अब जल्द ही 150 एक-ड़ से अधिक भूमि केंद्र को निःशुल्क हस्तांतरित कर देगी। साथ ही अपने संसाधनों से उक्त स्थल पर बिजली और पानी की आपूर्ति की व्यवस्था करने तथा वहां तक फोर लेन कनेक्टिविटी देने के लिए भी जरूरी कदम उठाएगी। संजय कुमार झा ने कहा- 'हमारा मानना है कि एम्स का निर्माण शहर की सीमा पर स्थित शोभन के पास होगा तो दरभंगा शहर को एक नया विस्तार मिलेगा और नये क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा। इससे नये क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मिथिला डायरी

मधुश्रावणी को ले मैथिल नवविवाहिताओं में उत्साह, मायके से ससुराल तक धूम

सीतामढ़ी/मधुबनी : संपूर्ण मिथिलांचल और देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों में मिथिला-मैथिली संस्कृति को जीवन बनाये रखने वाली नव-विवाहिताओं में श्रावण मास कृष्ण पक्ष की पंचमी से शुरू हुए मधुश्रावणी व्रत को लेकर खासा उत्साह है। सीतामढ़ी जिले के बोखड़ा प्रखंड ही नहीं, मिथिलांचल में सदियों से चली आ रही मधुश्रावणी पूजा को लेकर गुरुवार को नवविवाहिता में काफी उत्साह बना रहा। इस अवसर पर खड़का-बसंत गांव में फूल लोढने निकली नवविवाहिताओं की टोली में काफी चहल-पहल देखी गई। इसमें नवविवाहिताएं शंकर-पार्वती और नाग देवता की पूजा करती हैं, जिसमें पति के दीर्घायु होने की कामना की जाती है। पूजा-अर्चना करने से भगवान आशीर्वाद देते हैं। पूजा के प्रथम दिन नवविवाहिताएं सोलह श्रृंगार करती हैं। नये बांस के डाला में फूल, बांस का पत्ता, जाही-जूही फूल से डाला को सजाकर बगीचा से लाती हैं, जिसे लेकर अगले दिन पूजा-अर्चना की जाती है। सबसे मुख्य बात यह है कि यह पूजा-अर्चना महिला पुरोहित द्वारा कराई जाती है। वहीं, व्रती को कथा सुनाई जाती है। 15 दिनों तक होने वाली इस पूजा में नव विवाहित कन्याएं अपने ससुराल से भेजे गए भोजन, कपड़ा सहित अन्य सामानों का ही उपयोग करती हैं। नवविवाहिता टोली बनाकर भगवान शिव का गीत गाती हैं और अपने पति के दीर्घायु होने का आशीर्वाद मांगती हैं। खड़का-बसंत गांव में फूल लोढने निकलीं नवविवाहिताएं बताती हैं कि श्रावण मास में भगवान शिव शंकर के साथ-साथ नाग देवता की पूजा-अर्चना करने से भोले नाथ प्रसन्न होकर उसे सुहागन होने के साथ ही पुत्रवान होने का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। यही कारण है कि मिथिलांचल में नव-विवाहिताएं सदियों से यह पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान से बड़े ही धूमधाम से करती हैं।

शिव के बिना जीवन में आनंद और रस मिल पाना संभव नहीं

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

अभी चल रहा है श्रावण मास..., शिव मास और श्रावण मास में हम सब भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। क्या श्रावण मास केवल अभिषेक के लिए ही है या इसके साथ कोई विशेष बात है? बहुत बड़ी बात है। ... और आज मैं आपसे इस विशेष बात की चर्चा करूंगा।

श्रावण मास प्रारंभ होता है गुरु पूर्णिमा के दूसरे दिन। इसका अर्थ है कि गुरु रूप में शिव अपने साधकों की मनोकामना पूर्ति के लिए उन्हें पूरे महीने एक विशेष साधना के लिए प्रेरित करते हैं।

यो गुरु स शिवः प्रोक्तो, यः शिवः स गुरुस्मृतः।

अर्थात जो गुरु हैं, वे ही शिव हैं, जो शिव हैं, वे ही गुरु हैं। *(गुरु गीता)*

शिव ही संसार के प्रथम गुरु

गुरु शिष्य के जीवन में शिव रूप में आते हैं और विशेष बात क्या है कि जो साधक नहीं है, जिन्होंने गुरु दीक्षा नहीं ली है, वे भी यह बात जान लें कि गुरु के भी गुरु शिव हैं। चाहे आपने गुरु को धारण किया है या नहीं किया है। हम सब के लिए शिव का पूजन, अभिषेक बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि, संसार की सारी विद्याएं, उन सारी विद्याओं के गुरु शिव हैं और शिव ही संसार के प्रथम गुरु हैं। इसीलिए उन्हें कहा गया है आदिगुरु। शिव की साधना, उपासना किए बिना आप स्वयं भी अपने आप को नहीं जान सकते हैं। आप अपने अंदर की आत्मा से ही परिचित नहीं हो सकते हैं।

मैं आपको एक दृष्टांत बताता हूं। यदि आप किसी के घर कुछ दिन रहने चले गए और वहां पर उस घर के मालिक से ही आप बात नहीं करो, वह आपको बार-बार आवाज भी दे और आप इग्नोर कर दो तो बताओ आपको उस घर में ठहरना कैसा लगेगा? बहुत भारी-भारी लगेगा, उदासी भरा लगेगा। ... तो भाई! यह घर, आपका शरीर, जिसमें आप रह रहे हो, उस घर का मालिक आत्मा है! ये जो जीव राम हैं, अपने आत्माराम से बात नहीं करेगा तो क्या होगा? हमारे जीवन में निरंतर उदासी बढ़ेगी, ... और यही हो रहा है। सब जगह उदासी बढ़ रही है, क्रोध बढ़ रहा है। हर कोई, चाहे बच्चा हो, बूढ़ा हो, जवान हो, थोड़ा-थोड़ा उदास रहता है। क्योंकि, मन में रस का अभाव हो गया है। उसको किसी बात में रुचि ही नहीं लगती है।

शिव ही हमारे जीवन में रस के स्त्रोत

अब आप बताओ कि इस धरती पर रस का स्वरूप क्या है? धरती को भी तो रस चाहिए न? रस का स्त्रोत है वर्षा, ... और वर्षा सबसे अधिक वर्षा श्रावण मास में होती है और श्रावण हमारे भगवान शिव का महीना है। इसका अर्थ यह है कि हमारे जीवन में रस के स्त्रोत शिव ही हैं और जब हम शिव से दूर हो जाते हैं तो हम रस से विमुख हो जाते हैं। इसलिए बढ़ती हुई उदासी का मूल कारण आपके भीतर, हमारे भीतर शिव भावना की कमी है।

हमारे भीतर जो मोह भाव है, वह शिवत्व के विपरीत है। शिव का अर्थ है- संतोष और मोह का अर्थ है- प्यास। प्यास बुझती है जल से। तो हमारे मोह को कौन शांत करेगा? मोह को शांत करेगा- संतोष, ... और यह संतोष हमारे शिव के पास है। जब हम शिव से दूर हो जाते हैं तो शांति और संतोष हमारे से दूर हो जाता है। कुछ मिल भी जाए तो उसके बाद भी मन उदास रहता है, क्योंकि, मन हरा-भरा, रस से भरा नहीं रहता। तो शिव भावना एक विचारधारा है और इस विचारधारा को गुरु रूप में शिव ही प्रतिपादित करते हैं।

शिवत्व की कमी ही उदासी का कारण

श्रीमद्भगवत गीता के बारे में आप सब जानते हैं, पर गुरु गीता भी एक विशेष ग्रंथ है, जो शिव और पार्वती के बीच संवाद है, जिसमें गुरु रूप में शिव, पार्वती को गुरुत्व की महत्वता, महानता बता रहे हैं और शिष्य रूप में पार्वती उस ज्ञान को आत्मसात कर रही हैं और शिव कहते हैं-

चैतन्य शाश्वतं शान्तं व्योमातीतं निरंजनं।
नाद बिन्दु कलातीतं तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

जो चैतन्य, शाश्वत, शांत हैं, जो आकाश से परे हैं, इन्द्रियों से परे हैं, जो नाद, बिंदु और कला से परे हैं, उन श्रीगुरु को मेरा नमन।

तो विशेष बात क्या है कि, हमारे मन में जो उदासी बढ़ रही है, उसका कारण शिवत्व की कमी है, ... और शिव को पाने के लिए हमें अपने आप को खोजना पड़ता है, खुद में डूबना पड़ता है। खुद में डूबे बिना शिव नहीं मिलते। शिव को पाने के लिए खुद में डूबना पड़ता है और यह मनुष्य एक ऐसा प्राणी है, जो एक पल भी अकेले नहीं रहना चाहता। अरे भाई, अकेले नहीं रहोगे तो आप अपने अंदर के शिव को कैसे जानोगे?

कितनी विचित्र बात का मनोरंजन के हजारों हजार साधन आ गए हैं, परंतु उदासी है का बढ़ती जा रही है, बढ़ती ही जा रही है। आज की बात नहीं है, सदियों से रूदन हो रहा है। क्यों रुदन हो रहा है, क्योंकि वह शिव से अलग हो गया है, खुद को और शिव को अलग कर दिया है और भीतर ही भीतर एक मौन क्रन्दन चल रहा है और इसी का स्वरूप है डिप्रेशन। जिसे पूछो, मैं डिप्रेशन में हूं..., मैं डिप्रेशन में हूं...। तो इस डिप्रेशन का, रुदन का कारण क्या है? इस रुदन का कारण है शिव से हमारा हमारी दूरी और उसका निदान क्या है? उदासी को दूर करने के लिए, मन बहलाने के लिए नए-नए साधन ढूंढ लेते हैं। मिलना तो शिव से था और रह गए हम मन बहलाने के साधनों को ढूंढने में। अब क्या होगा कि आपका मन थोड़ी देर के लिए तो बहल जाएगा, लेकिन मन की उदासी पूर्ण रूप से दूर नहीं होगी।

आप सोचो, आप अपने घर में बाहर से कीचड़ लगे हुए जूते पहनकर के घर में आ गए। क्या होगा, घर का फर्श गंदा हो जाएगा। आप भले ही आप उस गंदे फर्श पर सुंदर कालीन भी बिछा दो, सुगंध छिड़क दो, कुछ देर के लिए कीचर की बदबू छुप जाएगी, लेकिन थोड़ी देर बाद बदबू वापस आने लगेगी। यह बदबू तब समाप्त होगी, जब आप उस कीचड़ को पानी से साफ कर देंगे। बात बहुत गहरी है। निर्मल करने के लिए, साफ करने के लिए जल चाहिए। बिना जल के न तो घर निर्मल होता है, न ही मन निर्मल होता है। ... और मन भारी हो, उदास हो आंखों में अश्रु धार आ जाए, तो मन हल्का हो जाता है। अब बताओ आप, जलविहीन स्थान को क्या कहते हैं? मरुभूमि, रेगिस्तान और यदि हमारा मन जल विहीन है तो वह भी मरुभूमि है। डिप्रेशन से भरा हुआ, उदास मन...।

नीरस जीवन में रस संचार लाते हैं शिव

जब वर्षा से एक मरुस्थल हरा-भरा हो सकता है, बदल सकता है तो याद रखो! यह रस है, जीवन को पूर्ण रूप से बदल सकता है। ... और हमारे शिव हैं रसेश्वर। शिव हमारे नीरस जीवन में रस संचार लाते हैं, वे रस अधिराज हैं, नटराज हैं, महामृत्युंजय हैं।

आप इस तरह से भी सोच सकते हो कि श्रावण में होने वाली वर्षा ग्रीष्म के तीव्र प्रभाव से रूखे-सूखे हो गए मन पर रस की, पानी की फुहार है, जो हमें नव-जीवन देती है। क्योंकि, हमारा यह जीवन, आपका और मेरा, शिव का है, शिव अपने रस से हमारे रसहीन जीवन की सारी उदासी को हर लेते हैं। शिव हमारे महामृत्युंजय हैं और उदासी, अवसाद, चिंता, रसहीनता, मन नही लगना, यह हमारे जीवन में मृत्यु के स्वरूप हैं। जिसके भी जीवन में, अंतर्मन में हाहाकार है, चिन्ता है, कोलाहल है, इसका एक ही कारण है कि वह आत्मा रूपी शिव से थोड़ा अलग हो गया है। ... और शिव को खोजने के लिए संसार छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। शिव हैं हमारी आत्मा, उसे बाहर नहीं खोजा जा सकता है, आपको संसार छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। बस, अपने साथ थोड़ा समय बिताओ तो आप अपने शिव को पा सकते हो।

आपके भीतर ही आनंद का सागर

अभी गुरु पूर्णिमा पर मैंने कहा था कि संसार में दो ही व्यक्ति सबसे महत्वपूर्ण हैं। एक तो आप स्वयं और दूसरे आपके इष्ट शिव, ... और यह श्रावण मास हर साल आपको यह याद दिलाता है कि अरे मनुष्य, अरे मानव! अपने शिव के साथ संपर्क जोड़ ले। आसमान से बरसती हुई अमृत धारा शिव का ही तो संदेश लेकर आती है कि, मेरे मनुष्य, तुम इधर-उधर कहां आनंद ढूंढ रहे हो, आनंद का सागर तो, रस का सागर तो तुम्हारे भीतर है। अपने मन में देखो, वहीं परमानंद है, वहीं पर मैं स्थित हूं। इसीलिए हम शिव प्रार्थना में बहुत प्रेम के साथ कहते हैं-

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

कि हम सुगंधित हों, पुष्टिवर्धक हों, हमारी वृद्धि हो। यह सब कैसे होगा? रस से होगा, आनंद से होगा, ... और जीवन में आनंद और रस शिव के बिना संभव नहीं है। अपने मन का अभिषेक करो, अपने मन से बात करो, अपने मन को समझो, अपने मन से प्रेम करो। यही शिव वचन है।

शिवोऽहम्, शिवोऽहम्, शिवोऽहम्...। शिवोऽहम् का सरल अर्थ है- हम शिव के हैं, शिव हमारे हैं। शिव के बिना कुछ नहीं है। जहां शिव हैं, वहां प्राण है। जहां शिव हैं, वहां शक्ति है। जहां शिव हैं, वहां रस है, कामना पूर्ति है। जहां शिव हैं, वहां आरोग्य है, स्वास्थ्य है। सब कुछ शिव में है और शिव को बार-बार अपने भीतर अनुभव करो, वातार्लाप करो। जो भी मंत्र बोलो, मन से बोलो...।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

नए कानूनों के मुताबिक पुलिसकर्मी बढ़ाएं अपना कौशल : डीआईजी झा

संवाददाता

बोकारो : बोकारो के कैंप-2 स्थित न्याय सदन के सभागार में आयोजित तीन दिवसीय कोयला क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट 2024 का आयोजन किया गया। तीन दिनों तक विभिन्न तरीके से अनुसंधान व अन्य पुलिसिया कार्यप्रणाली को लेकर चली प्रतियोगिता में मेजबान बोकारो पुलिस ओवरऑल चैंपियन बनी। बोकारो के डॉग स्क्वायड टीम सहित 22 पुलिसकर्मियों को अवार्ड मिला, जबकि धनबाद के 12 पुलिस कर्मियों को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। ओवरऑल टॉपर एसआई शैलेंद्र पासवान बने। जबकि, बीएस सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास सेकेंड ओवरऑल चैंपियन बने। विजेता टीम को समापन समारोह के मुख्य अतिथि कोयला क्षेत्र के डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में डीआईजी श्री झा ने पुलिस की कार्यप्रणाली में बेहतरी की दिशा में ऐसे आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि नए कानून में फॉरेंसिक एविडेंस के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस का भी महत्व बढ़ा है। ऐसे में पुलिसकर्मियों को अपना अधिक से अधिक स्किल बढ़ाने की जरूरत है और इस प्रकार का प्रशिक्षण व ऐसी प्रतियोगिताएं इस ओर काफी कारगर हैं। उन्होंने बताया कि अगले साल जनवरी माह में झारखंड के रांची में अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन होने वाला है। इसमें सीआरपीएफ व सीआईएसएफ के जवान भी भाग लेंगे। साथ ही बोकारो में विजेता हुए पुलिसकर्मी रांची में आयोजित पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेंगे।

शूटिंग में बेरमो की अनु ने जीता स्वर्ण

बेरमो : बिहार राज्य राइफल संगठन के तत्वावधान में सिवान में चल रहे पांच दिवसीय बिहार राज्य शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में बेरमो के सौरभ अग्रवाल की धर्मपत्नी अनु अग्रवाल को गोल्ड मेडल मिला। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन एनआरआई चैंपियनशिप मास्टर महिला में उन्हें गोल्ड मेडल मिला है। बता दें कि अनु अग्रवाल को पहले भी राज्यस्तरीय और नेशनल प्रतियोगिता कई मेडल से नवाजा जा चुका है, उनकी उपलब्धि में अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने बधाई दी। अनु ने बताया कि उन्हें बचपन से ही शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का शौक रहा है।

आविर्भाव – चिदानंद रूप: शिवोऽहम् शिवोऽहम्...

चास : छात्राओं के मनभावन नृत्य की यह तस्वीर है डीपीएस चास की। तीन दिवसीय अंतर सदन सांस्कृतिक समारोह का समापन नृत्य प्रस्तुति के साथ हुआ। सांस्कृतिक उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य व संगीत की प्रस्तुतियों से मोहित किया। अंतर्सदन नृत्य प्रतियोगिता में प्राइमरी विंग में यमुना सदन प्रथम रहा। वहीं, सीनियर विंग में सतलज हाउस विजेता रही। जूरी के सदस्यों में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 की नृत्य शिक्षिका प्रियंका शर्मा, जीजीपीएस सेक्टर-5 की नृत्य शिक्षिका अंकिता चक्रवर्ती तथा सेंट जेवियर स्कूल बोकारो की चंद्रिमा राय थीं। विद्यालय की चीफ मेंटर हेमलता एस मोहन, डीएस मेमोरियल सोसाइटी, चास के सचिव सुरेश अग्रवाल, प्रभारी प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे, प्रधानाध्यापिका सुदेशना सिन्हा ने इस सांस्कृतिक उत्सव आविर्भाव की सफलता के लिए बधाई दी।

हेमंत कर रहे सरकारी पैसों का दुरुपयोग : पंकज मिश्र

रांची : 'मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकारी पैसों का दुरुपयोग कर रहे है। दूसरी तरफ पैसों का रोना भी रोते हैं। सोरेन के इस चरित्र से जनता का नुकसान हो रहा है।' थर्ड फ्रंट के मीडिया प्रमुख पंकज मिश्र ने हेमंत सोरेन पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हमेशा केंद्र सरकार पर दोहरी नीति अपनाने और झारखंड का पैसा नहीं देने का आरोप लगाते हैं। बकाऐ राशि की मांग करने तक उनका तर्क जायज है। मगर उनकी गंभीरता तब ज्यादा दिखती, जब वह सरकारी पैसों का उपयोग सही से करते। मंत्रियों, अधिकारियों पर लाखों रुपये लुटाने को किसी एंगल से जायज नहीं ठहराया जा सकता। मंत्रियों को साठ हजार और अधिकारियों को पैंतालीस हजार तक का मोबाइल गिफ्ट करना कहीं से भी उचित नहीं है। इसके बदले गरीब छात्रों के बीच मोबाइल बांट देते तो उस मोबाइल से बच्चे ऑनलाइन पढाई कर पाते और जनता का पैसा जनता के पास पहुंच जाता। दूरगामी सोच ही राज्य या राष्ट्र को सही दिशा देता है। हेमंत सोरेन सहानुभुति और अधिकारियों के भरोसे चुनावी बैतरणी पार करने की सोच रखते हैं। जबकि वास्तविकता इससे इतर है। उन्होंने कहा कि तीसरा मोर्चा सरकार और विपक्षी दोंनों की गतिविधियों पर नजर रख रही है और समय आने पर जनता के सामने दोंनो की कलई खोलेगी।

बेरमो को जिला बनाने पर शीघ्र निर्णय लें सीएम : डॉ. लंबोदर

संवाददाता

बेरमो : गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) अनुमंडल को जिला बनाने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस बात से अवगत कराया है कि बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) झारखंड राज्य का सबसे समृद्ध खनिज संपदाओं से परिपूर्ण व अविभाजित बिहार में 1972 ईस्वी में बनने वाला सबसे पुराना अनुमंडल है। बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) को जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है, मगर कतिपय कारणों से अब तक इसे जिला का दर्जा नहीं मिल पाया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री को इस बात से भी अवगत कराया कि बेरमो अनुमंडल का सृजन आज से 50 वर्ष पूर्व 6 दिसंबर 1972 को अभिवाजित बिहार के समय किया गया था। जिसकी आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 11,07,672 है, जो मौजूदा समय में करीब 15 लाख है। बेरमो अनुमंडल में 14 थाना, चार ओपी व सात प्रखंड क्रमशः पेटरवार, कसमार ,जरीडीह, बेरमो, गोमिया, नावाडीह व चंद्रपुरा है। यह अनुमंडल सबसे समृद्ध व खनिज संपदाओं से भरा पड़ा है।

यहां चार विद्युत उत्पादन उत्पादक केंद्र (थर्मल पावर स्टेशन) क्रमशः टीपीपीएस, सीटीपीएस, बीटीपीएस व कैप्टिव पावर प्लांट है। सीसीएल के तीन

क्षेत्र क्रमशः कथारा, करगली व ढोरी है, जहां दर्जनों परियोजनाएं विद्यमान है। सीसीएल के दर्जनों कोलियरियों से प्रतिवर्ष करोड़ों टन कोयला का उत्पादन होता है, जिसका लाभ सीधा राज्य सरकार व केंद्र सरकार को मिलता है। झारखंड में कई ऐसे जिले हैं, जो बेरमो (तेनुघाट) अनुमंडल के निर्माण एवं आबादी के आंकड़े में पीछे हैं फिर भी उसे जिला बनाया गया है। बेरमो (तेनुघाट) अपने आप में जिला बनने की सभी अर्हताएं पूरी करता है।

मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने विधायक डॉ लंबोदर महतो की बातों व मांगों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद इस विषय पर समुचित कदम उठाने को लेकर आश्वस्त किया।

पेज- 1 का शेष

चुनाव में 'गेमचेंजर'...

मामला संसद में उठाएंगे।

इधर, आजसू के साथ भी बनी सहमति : झारखंड में विधानसभा चुनाव में बीजेपी और आजसू पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर लगभग सहमति बन गई है। अब सीटों के बंटवारे के फामूर्ले को अंतिम रूप देने का काम किया जा रहा है। यदि सीटों के बंटवारे पर सहमति बन जाती है, तो गठबंधन को लेकर जल्द ही दोनों दलों के नेताओं की ओर से औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में बीजेपी आजसू पार्टी को छह या सात सीटें देने को सहमत हैं, हालांकि आजसू पार्टी की ओर से कम से कम 10 से 11 सीटों पर दावा किया जा रहा है। बीजेपी आजसू पार्टी को जो सीटें देने को तैयार है, उनमें सिल्ली, गोमिया, रामगढ़, बड़कागांव, तमाड़ और मांडू शामिल है। जबकि, ईचागढ़ विधानसभा सीट पर अब भी जिच कायम हैं। इसके अलावा आजसू पार्टी की ओर से गांडेय, चंदनकियारी, पाकुड़ और लोहरदगा सीट पर भी दावेदारी की जा रही है। इस सिलसिले में सुदेश महतो ने नई दिल्ली में बीजेपी के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह से भी मुलाकात की। जबकि केंद्रीय मंत्री अमित शाह के रांची आगमन पर भी सुदेश महतो ने उनसे मुलाकात कर गठबंधन पर चर्चा की थी। विदित हो कि वर्ष 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 13 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा था और सत्ता से बाहर हो जाना पड़ा था। पिछली बार आजसू पार्टी से गठबंधन नहीं होने के कारण ही बीजेपी को नुकसान उठाना पड़ा था।

सरयू, जयराम को भी साधने की कवायद : पिछले चुनाव में बीजेपी की कथित उपेक्षा के परिणामस्वरूप कोल्हान क्षेत्र से भाजपा का सफाया करने वाले जमशेदपुर पूर्वी सीट के विधायक सरयू राय को भी इस बार साधने की कोशिश की जा रही है। खबर है कि पार्टी के कुछ नेता अपने संपर्कों के माध्यम से सरयू राय और जयराम महतो को भी एक मंच पर लाने के प्रयास में जुटे हैं। जयराम ने भी हेमंत सोरेन को आदिवासी और युवाओं के मुद्दे पर निशाने पर लिया है। वहीं, सरयू राय की दो-दो बार अपने पुराने मित्र नीतीश कुमार से मुलाकात के भी कई मायने लगाए जा रहे हैं।

गरीबों के निवाले...

कि डिस्पैच कर दिया। इसके बाद यह अनाज ओडिशा और बंगाल को चला जाता। इसी दौरान एक महिला ने अनाज नहीं मिलने की शिकायत भी की।

जांच के नाम पर खानापूर्ति

विदित हो कि मंत्री बन्ना गुप्ता ने औचक निरीक्षण में 22 अप्रैल से 22 जुलाई तक का कोई लेखा-जोखा नहीं पाया। जबकि 15 जून को डीसी विजया जाधव ने जिले के सभी प्रखंडों में स्थित झारखंड स्टेट फूड एंड सप्लाई कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसएफएससीएल) के गोदाम के अनाज व अन्य सामग्रियों की पूरी जांच-पड़ताल का आदेश वरीय प्रभारी पदाधिकारियों को दिया था। इसका मतलब साफ है कि जांच के नाम पर बस खानापूर्ति की गई और जैसे-तैसे रिपोर्ट बनाकर सौंप दिया गया। अगर वास्तव में जांच की गई होती तो गोदाम में मंत्री को जरूर विवरण मिलता। इधर, अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी का दावा है कि उन्होंने गोदाम का सत्यापन कर 22 जून को रिपोर्ट जमा कर दी और जिस समय उन्होंने सत्यापन किया, तब तक सब कुछ ठीक मिला था। अब अपर समाहर्ता की बातें और मंत्री की जांच में जो बातें सामने आईं, आपस में ही विरोधाभासी हैं।

पानी में बर्बाद हो रहा नमक

मंत्री ने अपनी जांच में गोदाम में नमक यूं ही खुले में पानी में पड़ा पाया। इस पर उन्होंने नाराजगी भी जताई, लेकिन खबर लिखे जाने तक यही स्थिति बनी थी। मंत्री के निर्देश को भी गंभीरता से नहीं लिया गया। बताया जाता है कि फिलहाल अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के हड़ताल की वजह से काम बाधित है। जब सभी कर्मचारी काम पर वापस लौटेंगे, इसके बाद काम होगा। जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलखो का कहना है कि स्टॉक वगैरह का मिलान होने के बाद ही किसी और को गोदाम की जिम्मेवारी सौंपी जा सकती है।

विकसित राष्ट्र हर भारतीय की महत्वाकांक्षा : मोदी

मिशन 2047... नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री ने की राज्यों से अहम भूमिका निभाने की अपील

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में नीति आयोग की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्रीय मंत्रियों, ममता बनर्जी समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। बैठक में पीएम मोदी ने अपने विकसित भारत विजन पर चर्चा की, उन्होंने कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है। राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े हुए हैं।

इस बीच नीति आयोग की बैठक खत्म होने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममत बनर्जी ने आरोप लगाया कि बैठक में उन्हें बोलने नहीं दिया गया और उनका माइक म्यूट कर दिया गया था। उन्होंने बैठक का बहिष्कार कर दिया और बाहर निकल गईं। जबकि, सीएम ममता के इन आरोपों का कई केंद्रीय मंत्रियों ने खंडन किया। आयोग ने मोदी के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर लिखा, 'भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना हर भारतीय की महत्वाकांक्षा है। राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा कि यह दशक तकनीकी और भू-राजनीतिक बदलावों के साथ-साथ अवसरों का भी है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को इन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए और अपनी नीतियों को अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए अनुकूल बनाना चाहिए। यह भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में प्रगति का रास्ता है। बैठक 2047 तक भारत क एक विकसित राष्ट्र बनाने पर केंद्रित है। इस बैठक का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच सहभागी संचालन तथा सहयोग को बढ़ावा देना, वितरण तंत्र को मजबूत कर-के ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की शीर्ष संस्था शासी परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उप राज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं।

यह बदलाव का दशक

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव का दशक है, जो विभिन्न क्षेत्रों में ढेरों अवसर लेकर आया है। उन्होंने राज्यों को इन अवसरों का उपयोग करने और नीति निर्माण और क्रियान्वयन में नवीन दृष्टिकोणों के माध्यम से विकास के लिए अनुकूल नीतियां बनाने और शासन के कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के विजन को विकसित राज्यों के माध्यम से साकार किया जा सकता है और विकसित भारत की आकांक्षा जमीनी स्तर यानी प्रत्येक जिले, ब्लॉक और गांव तक पहुंचनी चाहिए।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

GURU GOBIND SINGH EDUCATIONAL SOCIETY'S TECHNICAL CAMPUS
COLLEGE OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Approved by AICTE, Ministry of HRD, Govt. of India, New Delhi, Affiliated to Jharkhand University of Technology, Ranchi
NO.1 Engineering, Management, Application & Fashion College of Jharkhand

Means-cum-Merit schoolarship
SAT-2024
Registration Open for Session 2024-25
B.Tech.
Computer Science & Engg.
CSE (Data Science)
CSE (Cyber Security)
Fashion Technology
Mechanical Engineering
Civil Engineering
Electrical & Electronics Engg.
Electronics & Comm. Engg
M.B.A.
Finance
Human Resources (HR)
Marketing
B.B.A & B.C.A
For BBA, Passed 10+2 with Minimum 45% Marks for General & 40% for Reserved in any discipline Science/Arts/Commerce
DIPLOMA IN ENGINEERING
• EEE
• ME
• Civil
for Diploma
10th Complete
from any batch
• No.1. Engineering, Management Application & Fashion College of Jharkhand.
• No Tuition Fees for E-Kalyan eligible Students.
• Flexible time table for working Professionals in B.Tech & MBA as a regular course.
• Excellent Placement Assistance. NIRF Ranking-MOUs with Industries
ISO 9001:2015 EAT RIGHT CAMPUS CERTIFIED
Admission Process
▸ Passed Diploma examination from an AICTE approved institution with minimum 45% marks (40% for Reserved category) in any branch of engineering/ Technology
▸ For BCA, Passed 10+2 examination with minimum 45% marks (40% for Reserved category) in any discipline (Science/ Arts/ Commerce) with Mathematics Business, Mathematics/Computer Science/ Information Practices/ Information Technology/ Statistics as one of the subjects.
▸ For MBA, recognized Bachelor's Degree of minimum 3 years duration, obtained at least 50% marks (45% far reserved category) in the qualifying examination.
▸ Passed 10+2 examination from any recognized board with Physics, Chemistry and Mathematics with 45% marks (40% for reserved category) through JEE Rank.
CONTACT US : GGSESTC, Kandra (V), Chas, Bokaro, Jharkhand - 827013
06542-265293, 7992284995
7992415822, 9822732264
www.ggsestc.ac.in
info@ggsestc.ac.in

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)